उपसंपदा संस्कार क्या है [बौद्ध धर्म की शिक्षा] PDF Download

1- इस लेख में वौद्ध धर्म की शिक्षा के बारे में चर्चा की जा रही है जोकि उच्च शिक्षा तथा उपसंपदा संस्कार के बारे में है यह बौद्ध मठों तथा बिहारों में थी परन्तु सभी मठ या बिहार में समान विषयों में शिक्षा नहीं थी |
2- बौद्ध मठों या बिहार में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रवेश के नियम अत्यंत कठिन थे, प्रवेश हेतु कोई जाति प्रतिबंध नहीं था |
3- संघ के एक विद्वान व्यक्ति को अपना गुरु चुनना होता था शिक्षार्थी को बौद्ध संघ के समक्ष उपस्थित होकर उनके प्रश्नों के उत्तर देने होते थे, तथा निर्णय होने के बाद प्रवेश की अनुमति मिल जाने पर शिक्षार्थी का उपसंपदा संस्कार होता था |

उच्च शिक्षा का उपसंपदा संस्कार :-

1- बौद्ध संघ में प्रवेश को उपसंपदा संस्कार कहा जाता था |
2- उपसंपदा दीक्षा भिक्षुओं के संस्कार है यह दीक्षा उन श्रामणेर को दी जाती है जो आजीवन भिक्षु रहने की इच्छा रखते है |
3- यह संस्कार गृहस्थियों (गृहस्थों) के लिए नहीं था |

उपसंपदा संस्कार के बाद भिक्षु को 8 नियमों का पालन करने का निर्देश दिया जाता था |

1- साधारण वस्त्र पहनना
2- वृक्षों के नीचे वास करना
3- भिक्षा मांग कर भोजन करना
4- चोरी न करना
5- जीव की हत्या न करना
6- अलौकिक शक्तियों का दावा न करना
7- स्त्री से यौन संबंध न स्थापित करना
8- औषधि के रूप में गौमूत्र का सेवन करना

उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम :-

उच्च शिक्षा के दो प्रकार के पाठ्यक्रम प्रचलित थे |

1- धार्मिक शिक्षा
2- लौकिक शिक्षा

उपसंपदा संस्कार में भिक्षु किस तरह के वस्त्र पहना करते थे?

इस संस्कार में भिक्षु साधारण वस्त्र पहना करते थे |

JOURNALISMOLOGY

उपसंपदा संस्कार में औषधि के रूप में क्या सेवन करते थे?

भिक्षु औषधि के रूप में गौमूत्र का सेवन किया करते थे|

उपसंपदा संस्कार के 8 नियम कौन- कौन से है?

1- साधारण वस्त्र पहनना

2- वृक्षों के नीचे वास करना

3- भिक्षा मांग कर भोजन करना

4- चोरी न करना

5- जीव की हत्या न करना

6- अलौकिक शक्तियों का दावा न करना

7- स्त्री से यौन संबंध न स्थापित करना

8- औषधि के रूप में गौमूत्र का सेवन करना

उपसंपदा संस्कार में भिक्षुओं को कितने नियमों का पालन करना होता था?

उपसंपदा संस्कार में भिक्षुओं को 8 नियमों का पालन करना होता था?

बुद्धम शरणम गच्छामि का अर्थ क्या होता है?

मै बुद्ध की ओर चल रहा हूँ ।

धम्मम शरणम गच्छामि का क्या अर्थ होता है?

मै धर्म की ओर चल रहा हूँ ।

संघम शरणम गच्छामि का क्या अर्थ होता है ?

मै संघ की ओर चल रहा हूँ ।

JOURNALISMOLOGY

बौद्ध कालीन शिक्षा प्रणाली में प्रारंभिक शिक्षा के दौरान बालक का कौन सा संस्कार होता था ?

बौद्ध मठों में प्रवेश के लिए तब पबज्जा संस्कार होता था उस दौरान उसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होती थी |

बौद्ध कालीन शिक्षा प्रणाली में प्रारंभिक शिक्षा के दौरान बालक को क्या कहा जाता था?

प्रारंभिक शिक्षा में प्रवेश के दौरान बालक श्रामणेर कहलाता था |

JOURNALISMOLOGY